

नगरनिगम (13)

नगर निगम	अध्यक्ष	दल
1. चिरमिरी	श्री डगरू रेड्डी	निर्दलीय
2. अम्बिकापुर	श्री अजय तिकी	कांग्रेस
3. बिलासपुर	श्री किशोर राय	भाजपा
4. कोरवा	श्रीमती रेणु अग्रवाल	कांग्रेस
5. रायगढ़	मधु नरेश (किन्नर)	निर्दलीय
6. रायपुर	श्री प्रमोद दुबे	कांग्रेस
7. दुर्ग	श्रीमती चन्द्रिका चन्द्राकर	भाजपा
8. भिलाई	श्री देवेन्द्र यादव	कांग्रेस
9. राजनांदगांव	श्री मधुसुदन	भाजपा
10. जगदलपुर	श्री जतीन जायसवाल	कांग्रेस
11. घमतारी (नवीन)	श्रीमती अर्चना चौधे	भाजपा
12. वीरगांव (रायपुर) (नवीन)	श्री अम्बिकाचरण येदु	भाजपा
13. चरौदा (दुर्ग)(नवीन)	श्रीमती चंद्रकांता मोंडले	भाजपा

विशेष :-

- ♦ सर्वाधिक नगर निगम वाला जिला—(1) दुर्ग — (03 — दुर्ग, भिलाई, चरौदा) , रायपुर (02. रायपुर , वीरगांव)
- ♦ नगरीय निकाय को करारोपण की शक्ति प्रदान राज्य शासन करता है।
- ♦ छ.ग. के सबसे प्राचीन नगर निगम — रायपुर (1967) , नवीनतम — चरौदा (2016)

ICG PSC(ABEO)2014

नगरपालिका (44)

- ♦ सर्वाधिक नगरपालिका वाले जिले दुर्ग एवं जांजगीर — चांपा
- जांजगीर—चांपा (04) — 1. जांजगीर 2. चांपा 3. अकलतरा 4. सवती

नगर पंचायत (112)

- ♦ सर्वाधिक नगर पंचायत वाला जिला जांजगीर—चांपा (11)
- 1. खरौद 2. नया बाराद्धार 3. शिवरीनारायण 4. बालोद 5. अड़भार 6. जैजैपुर 7. डभरा 8. चन्द्रपुर 9. सरगांव 10. नावागढ़ 11. खरौद

पुलिस प्रशासन

- ◆ छ.ग. में पुलिस प्रशासन गृह मंत्रालय के अधीन है।
- ◆ राजनीतिक प्रमुख गृह एवं जेल मंत्री होता है।
- ◆ प्रशासनिक प्रमुख - पुलिस महानिदेशक (DGP)
- ◆ छ.ग. पुलिस का सर्वोच्च अधिकारी पुलिस महानिदेशक गृह सचिव के अधीन होता है।
- ◆ पुलिस का आदर्श वाक्य "परित्राणय साधूनाम्" है, जिसका अर्थ है, सज्जनों को बलेश से बचाने वाला। यह वाक्य महामारत महाकाव्य से लिया गया है।
- ◆ शांति व्यवस्था एवं नगरीय यातायात सहायता हेतु होमगार्ड का प्रावधान है। (जिला मुख्यालय रायपुर में है। तथा इसका प्रमुख भी राज्य पुलिस महानिदेशक)

[CG PSC(ABEO)2014]

क्षेत्र		प्रमुख
राज्य	01	DGP (पुलिस महानिदेशक)
रेंज	05	IGP (पुलिस उपमहानिदेशक)
जिला	27	SP (पुलिस अधीक्षक)
अनुविभाग		DSP (उप पुलिस अधीक्षक)
थाना		TI (थाना प्रभारी)
उपथाना		SI (उपनिरीक्षक)
चीकी		ASI (सहायक उप निरीक्षक)
फिल्ड ड्यूटी		हेड कान्स्टेबल
निचला स्तर		आरक्षक

पुलिस रेंज :-

- ◆ 05 (सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग(नवीन), रायपुर, बस्तर)
- ◆ जिला पुलिस का सर्वोच्च प्रशासन :- 1. कलेक्टर 2. पुलिस अधीक्षक
- ◆ छ.ग. पुलिस का वाहन नं. - 03
- ◆ छ.ग. के प्रथम पुलिस महानिदेशक मोहन शुक्ल थे।

[CG PSC(RDA)2014]

पुलिस संस्थान

- ◆ रेलवे पुलिस का मुख्यालय - रायपुर
- ◆ आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो - रायपुर
- ◆ फिंगर प्रिंट ब्यूरो - रायपुर
- ◆ भारत रक्षित वाहिनी का मुख्यालय - राजनांदगांव
- ◆ आर्म्स पुलिस का मुख्यालय - भिलाई

पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र :-

- ♦ पुलिस प्रशिक्षण अकादमी - चन्द्रखुरी (रायपुर)
- ♦ पुलिस ट्रेनिंग सेंटर - 1. माना (रायपुर) 2. राजनांदगांव
- ♦ काउंटर इमरजेंसी एण्ड एण्टी टेरेरिस्ट स्कूल :- 1. चन्द्रखुरी (रायपुर) 2. राजनांदगांव 3. विलासपुर 4. जगदलपुर
- उद्देश्य :- नक्सलियों एवं आतंकवादियों के खिलाफ दक्षता प्राप्त करना
- ♦ काउंटर टेरेरिज्म जंगल वार फेयर स्कूल - कांकेर

प्रमुख अधिनियम :-

- ♦ छ.ग. विशेष जन सुरक्षा अधिनियम - 2005
- ♦ छ.ग. सहायक सशस्त्र अधिनियम - 2011

पुलिस पेट्रोलपम्प :-

- ♦ आस्था पेट्रोल पम्प - केन्द्रीय जेल परिसर रायपुर
- ♦ पुलिस कल्याण पेट्रोल पम्प - केन्द्रीय जेल परिसर विलासपुर

जेल प्रशासन

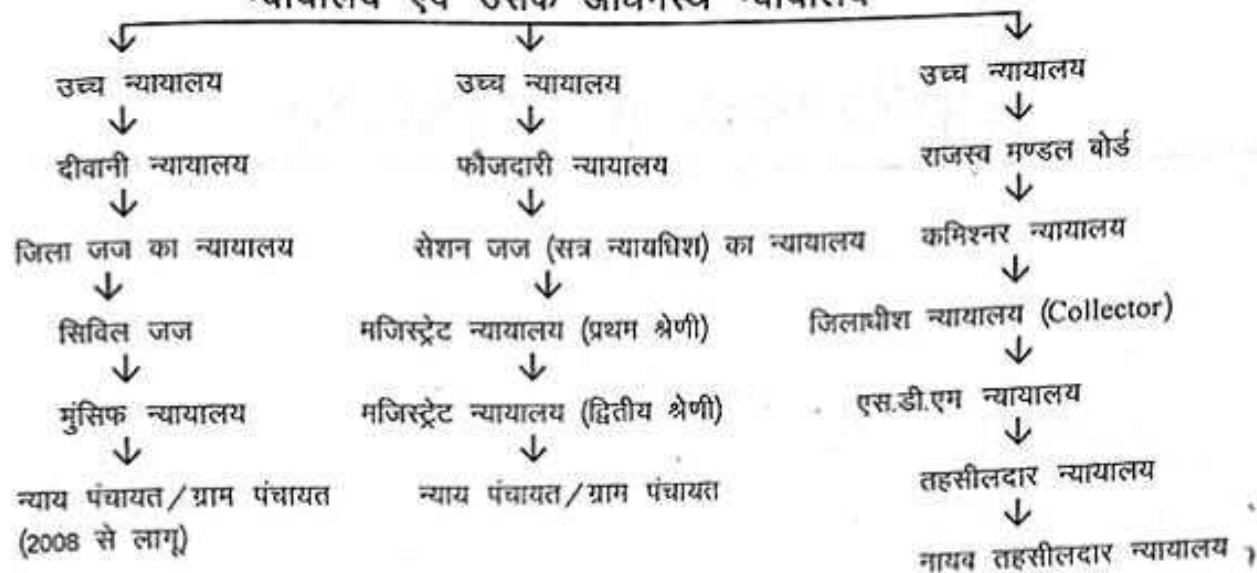
- ♦ राजनीतिक प्रमुख - गृह एवं जेल मंत्री
- ♦ प्रशासनिक प्रमुख - जेल महानिदेशक
- ♦ जिला में जेल प्रशासन का प्रमुख - कलेक्टर
- ♦ जेल में अदालत - रायपुर जेल (प्रति शनिवार)
- ♦ जेल में विडियों कॉफेंस - रायपुर जेल
- ♦ एकमात्र खुला जेल - मसागांव (बस्तर) वर्तमान में अस्तित्व में नहीं है। जिला बेमेतरा में प्रस्तावित है।

जेल मुख्यालय में सर्वोच्च अधिकारी - जेल महानिदेशक

केन्द्रीय जेल - 05	जिला जेल - 10	उप जेल - 12
1. अम्बिकापुर 2. विलासपुर 3. दुर्ग 4. रायपुर 5. जगदलपुर	1. बैकुण्ठपुर 2. रायगढ़ 3. जांजगीर 4. जशपुर 5. कोरबा 6. राजनांदगांव 7. महासागुंद 8. कांकेर 9. धमतरी 10. दत्तेवाड़ा	1. सुरजपुर 2. रामानुजगंज 3. कटघोरा 4. पेण्ड्रा रोड 5. मनेन्द्रगढ़ (कोरिया) 6. बलौदा बाजार 7. बेमेतरा 8. बालोद 9. गरियावंद 10. नरायणपुर 11. सुकमा 12. डोंगरगढ़

न्यायपालिका

न्यायालय एवं उसके अधिनस्थ न्यायालय



- ♦ दिवानी मामले - धन संवधि मामले जिनमें सम्पत्ति, क्रय विक्रय या लेन-देन आदि का विवाद शामिल हो।
- ♦ फौजदारी मामले - आपराधिक कृत्यों से जुड़े मामले जैसे - हत्या, चोरी-डकैती आदि।
- ♦ राजस्व मामले - भूमि संवधि मामले जैसे - नामांतरण, बटवारा, सीमांकन आदि विवाद शामिल हो।
- ♦ संविधान के प्रावधान के अनुसार एक ही अधिकारी दिवानी और फौजदारी कानूनों के तहत कार्य करता है और जिला एवं सत्र न्यायाधीश के नाम से भी जाना जाता है।

राज्य का न्यायापालिका

- ♦ संविधान में उच्चतम न्यायालय का प्रावधान, (अनुच्छेद 124)
- ♦ जबकि उच्च न्यायालय का प्रावधान, (अनुच्छेद 214)
- ♦ छ.ग. का उच्च न्यायालय - विलासपुर जिला में, (बोदरी में)
- ♦ देश के 19 वां क्रम का उच्च न्यायालय।
- ♦ विलासपुर उच्च न्यायालय, क्षेत्रफल की दृष्टि से एशिया का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है जो कि विलासपुर के बोदरी में स्थित है।
- ♦ राजस्व मामले हेतु गठित छ.ग. राजस्व मण्डल का मुख्यालय विलासपुर में है।
- ♦ छ.ग. औद्योगिक न्यायाधिकरण का मुख्यालय रायपुर में है।

छ.ग. के मुख्य न्यायाधीश का क्रम

- ♦ R.S. गर्ग (प्रथम कार्यवाहक) - 2000
- 1. W.A. शशांक (प्रथम) - दिसम्बर 2000 से 2002
- 2. K.H.N. कुरंगा - 2002 - 2004
- 3. A.S.V. मूर्ति - 2004 - 2005
- 4. A.K. पटनायक - 2005
- 5. B.R. नायक - 2005 - 2007
- 6. H.L. दत्तु - 2007
- 7. राजीव गुप्ता - 2008 - 2012
- 8. यतीन्द्र सिंह - 2012 - 2014
- 9. पवीन कुमार सिन्हा - 2014 - 2016^४
- 10. दीपक गुप्ता - 2016 - 17
- 11. भास्करन नायर राधाकृष्णन - 2011 से अब तक

- ♦ दीण्डू गुप्ता - वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायधिश है।
- ♦ राजीव गुप्ता - छ.ग. मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष
- ♦ एच.एल दत्तु - सुप्रीम कोर्ट के 42 वें क्रम के मुख्यन्यायधिश

23

जनगणना (CENSUS)

- ♦ जनगणना एक केन्द्र सूची का विषय है, जो प्रति दस वर्ष में केन्द्र सरकार द्वारा जारी किया जाता है।
- ♦ राज्य निर्माण के पश्चात यह द्वितीय जनगणना था।

जननांकीय

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित तथ्य का अध्ययन किया जाता है:-

- ♦ जनसंख्या (Population)
- ♦ जनसंख्या वृद्धि दर (Growth Rate)
- ♦ जनसंख्या घनत्व (Density)
- ♦ लिंगानुपात (Sex Ratio)
- ♦ साक्षरता (Literacy Rate)
- ♦ नगरीय जनसंख्या (Urban Population)
- ♦ ग्रामीण जनसंख्या (Rural Population)
- ♦ अनुसूचित जाति (Population of Schedule Caste)
- ♦ अनुसूचित जनजाति (Population of Schedule Tribe)
- ♦ कार्यशील जनसंख्या
- ♦ 0 - 6 वर्ष के लिंगानुपात (0-6 Age Group Sex Ratio)

नोट:-

- भारत में जनगणना के शुरुआत 1872 में लार्ड मेयो काल में हुआ था।
- भारत में नियमित जनगणना की शुरुआत 1881 में लार्ड रिपन द्वारा इस राज्य में नियमित जनगणना 1881 में प्रारंभ हुआ।
- 1911-1921 तक का समय भारत का जनसंख्या विभाजक दसक माना जाता है।
- 1976 भारत में प्रथम जनगणना नीति बनायी गयी थी।
- 11 जुलाई 1987 को विश्व जनसंख्या 5 अरब से ज्यादा होने के कारण 11 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व जनसंख्या दिवस मना जाता है।

[CG Vyapam (FCPR) 2018]

2011 के अन्तिम आंकड़ों के अनुसार

भारत एवं छ.ग. की जननांकीय के मध्य तुलना (India and Comparative Describe of CG)

तथ्य	भारत	छत्तीसगढ़
1. जनसंख्या	121 करोड़	255,45,198
2. जनसंख्या वृद्धि दर	17.69%	22.61% [CG Vyapam(LOI)2015]
3. जनसंख्या घनत्व	382	189
4. लिंगानुपात	943	991 [CG Vyapam(E.Chemist)2016]
5. साक्षरता	72.99%	70.28% [CG PSC (SEE)2016]
6. नगरीय जनसंख्या	31.15%	23.24%
7. ग्रामीण जनसंख्या	68.85%	76.76%
8. एस.टी. जनसंख्या	8.61%	30.62%
9. अनुसूचित जाति	16.63%	12.82%
10. 0 - 6 वर्ष की लिंगानुपात	919	969
11. कार्यशील जनसंख्या दर	39.8%	47.68%

भारत में जननांकीय में छ.ग. का स्थान

तथ्य	28 राज्यों में छ.ग. का स्थान	35 राज्य में छ.ग. का स्थान
1. जनसंख्या	16 वां स्थान	16 वां स्थान [CG Vyapam(LOI)2015]
2. जनसंख्या वृद्धि	6 वां स्थान	9 वां स्थान
3. जनसंख्या घनत्व	20 वां स्थान	25 वां स्थान
4. साक्षरता	20 वां स्थान	27 वां स्थान
5. लिंगानुपात	5 वां स्थान	6 वां स्थान

नोट:- जनगणना के समय तेलंगाना राज्य का गठन नहीं हुआ था।

छ.ग. जनगणना 2001 एवं जनगणना 2011 का तुलनात्मक विवरण (Comparative Describe Chhattisgarh 2001-2011)

तथ्य	जनगणना 2001	जनगणना 2011	अन्तर
1. जनसंख्या	20833803	25545198	47 लाख (लगभग)
2. जनसंख्या वृद्धि दर	18.06%	22.61%	4.7%
3. जनसंख्या घनत्व	154	189	35 [CG PSC(pre)2015]
4. साक्षरता	64.1%	70.28%	6.47%
5. लिंगानुपात	989	991	02

1. जिले के जनसंख्या (Distribution of Population)

18 जिला		27 जिला	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. रायपुर (40.43 लाख)	नारायणपुर (1.39लाख)	रायपुर (21लाख)	नारायणपुर (1.39लाख)
2. दुर्ग (33.43लाख)	बीजापुर (2.55लाख)	बिलासपुर (19लाख)	सुकमा (2.5लाख)
3. बिलासपुर(26.63लाख)	दंतेवाड़ा (5.33लाख)	दुर्ग (17लाख)	बीजापुर (2.55लाख)

♦ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार छ.ग. के रायपुर जिले की जनसंख्या सर्वाधिक है।

[CG PSC(RDA)2014]

2. नगरीय जनसंख्या (Urban Population)

18 जिला		27 जिला	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. रायपुर (14.83 लाख)	नारायणपुर (22 हजार)	रायपुर (12 लाख)	नारायणपुर (22 हजार)
2. दुर्ग (12 लाख)	बीजापुर (29 हजार)	दुर्ग (11 लाख)	सुकमा (28 हजार)
3. बिलासपुर(6.79 लाख)	जशपुर (75 हजार)	बिलासपुर (6 लाख)	बीजापुर (29 हजार)

नगरीय जनसंख्या (प्रतिशत में)

18 जिला		27 जिला	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. दुर्ग - 38.42%	जशपुर - 8.99%	दुर्ग - 64%	वलरामपुर - 4%
2. कोरवा - 36.99%	कांकेर - 10.25%	रायपुर - 59%	गरियावंद - 6%
3. रायपुर - 36.50%	सरगुजा - 10.29%	कोरवा - 36%	जशपुर - 8%

3. ग्रामीण जनसंख्या (Rural Population)

18 जिला

सर्वाधिक	न्यूनतम
1. रायपुर (25 लाख)	नारायणपुर (1 लाख)
2. सरगुजा (21 लाख)	बीजापुर (2 लाख)
3. दुर्ग (20 लाख)	दंतेवाड़ा (4 लाख)

ग्रामीण जनसंख्या (प्रतिशत में)

18 जिला

सर्वाधिक	न्यूनतम
1. जशपुर (91%)	दुर्ग (61%)
2. कांकेर (89%)	कोरवा (63%)
3. सरगुजा (89%)	रायपुर (63%)

नोट:- ♦ 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर दो - रायपुर और दुर्ग

♦ 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर 9 - रायपुर (11) दुर्ग-भिलाई (10) बिलासपुर (4) कोरवा (3) राजनांदगांव (1) रायगढ़ (1) जगदलपुर (1) अम्बिकापुर (1) धमतरी (1)

जनगणना 2011 के अनुसार छ.ग. के प्रशासनिक ईकाईयां

क्षेत्रफल	—	1,35,192 वर्ग किमी.
संभाग की संख्या	—	4
जिलों की संख्या	—	18
तहसीलों की संख्या	—	149
विकास खण्ड की संख्या	—	146
कुल नगर	—	182
संवैधानिक नगर	—	168
जनगणना नगर	—	43
ग्रामों की संख्या	—	20,126

4. जनसंख्या वृद्धि दर (Population Growth Rate)

- ♦ 2001 से 2011 तक जनसंख्या में होने वाली दशकीय वृद्धि दर ही जनसंख्या वृद्धि दर कहलाता है।
- ♦ 2011 में जनसंख्या वृद्धि दर 22.61 है, जबकि 2001 में 18.27 था।

सर्वाधिक	न्यूनतम
1. कवर्धा — 40.71	1. बीजापुर — 8.78
2. रायपुर — 34.70	2. दंतेवाड़ा — 12.08
3. बिलासपुर — 33.29	3. कोरिया — 12.98

5. जनसंख्या घनत्व (Population Density)

(वर्ष 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार)

- ♦ 1 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में निवासरत व्यक्तियों की घनत्व को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।
- ♦ भारत का कुल क्षेत्रफल का 4.11 प्रतिशत छ.ग. का है, जबकि भारत के जनसंख्या का 2.11 प्रतिशत छ.ग. में निवासरत रहता है।
- ♦ 2011 के जनगणना के अनुसार 189 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। जबकि 2001 में 154 प्रति वर्ग किमी. था, अर्थात् दोनों के बीच 35 व्यक्ति का अन्तर है।

[CG PSC(RDA)2014]

सर्वाधिक	न्यूनतम
1. जांजगीर-चांपा — 420	1. नारायणपुर — 30
2. दुर्ग — 392	2. बीजापुर — 30
3. रायपुर — 328	3. दंतेवाड़ा — 64
4. बिलासपुर — 322	

[CG Vyapam(RI)2017]

6. लिंगानुपात (Sex Ratio)

- ♦ वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार छ.ग. लिंगानुपात 991 है। [CG PSC(RDA)2014], [CG PSC(ARO)2014]
- ♦ प्रत्येक एक हजार पुरुषों के पीछे स्थित महिलाओं की संख्याओं का लिंगानुपात प्राप्त है।
- ♦ 2011 के जनगणना के अनुसार लिंगानुपात 991 है, जबकि 2001 के जनगणना के अनुसार 989 था।
- ♦ 18 जिलों के आधार पर छ.ग. में 7 जिलों का लिंगानुपात एक हजार से अधिक है— 1. बस्तर, 2. दंतेवाड़ा, 3. महासमुंद, 4. राजनांदगांव, 5. धमतरी, 6. कांकेर, 7. जशपुर
- जबकि 27 जिलों के आधार पर 13 जिलों का लिंगानुपात एक हजार से अधिक है— 1. कोण्डागांव, 2. दंतेवाड़ा, 3. बालोद, 4. गरियाबंद, 5. महासमुंद, 6. बस्तर, 7. सुकमा, 8. राजनांदगांव, 9. धमतरी, 10. कांकेर, 11. जशपुर, 12. बलौदाबाजार, 13. येमेतरा
- ♦ छ.ग. के समस्त जिलों का लिंगानुपात भारत के औसत लिंगानुपात से अधिक है। [CG Vyapam 2014]
- ♦ 2011 की जनगणना के अनुसार छ.ग. के दंतेवाड़ा जिले में लिंगानुपात अधिक है। [CG PSC(Engg.-GI)2015]
- ♦ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार आंध्रप्रदेश राज्य का लिंगानुपात छ.ग. से अधिक है। [CG PSC(LIB.)2014]

18 जिलों के अनुसार		27 जिलों के अनुसार	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. बस्तर - 1023	कोरिया - 968	1. कोण्डगांव - 1033	रायपुर - 963
2. दंतवाड़ा - 1020	कोरिया - 969	2. दंतवाड़ा - 1023	दुर्ग - 966
3. महासमुंद - 1017	विलासपुर - 979	3. बालोद - 1022	कोरिया - 968
4. राजनांदगांव - 1015			

7. साक्षरता (Literacy)

- 7 वर्ष से अधिक आयु की व्यक्ति जो पढ़ने लिखने में समर्थ नागरिक को साक्षर कहा जाता है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दर 70.28 है, जबकि 2001 के जनगणना के अनुसार 64.66 था। [CG PSC (ABEO) 2014]
- छ.ग. में कुल साक्षर व्यक्ति 1 करोड़ 53 लाख है।
- 2011 के जनगणना के अनुसार छ.ग. के दुर्ग जिले में साक्षरता दर सबसे अधिक है।
- 2011 के जनगणना के अनुसार छ.ग. की साक्षरता दर राजस्थान राज्य से अधिक है।
- छ.ग. की पुरुष साक्षरता दर 80.27 है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार छ.ग. में महिला साक्षरता दर 60.24% था।
- पुरुष महिला साक्षरता अनुपात 80.27% एवं 60.24% है।

[CG PSC (pre) 2015]
[CG PSC (ADIHS) 2014]
[CG PSC (MI) 2014]
[CG Vyapam 2014]

1 करोड़, 53 लाख
पुरुष 88 लाख महिला 65 लाख

- राज्य की साक्षरता दर 70.28 प्रतिशत है।

साक्षरता दर
पुरुष 80.27 प्रतिशत महिला 60.24 प्रतिशत

साक्षरता जिलों का क्रम - दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव,

[CG PSC (SEE) 2014]
[CG PSC (G2) 2015], [CG PSC (ABEO) 2014]

18 जिलों के आधार पर साक्षरता

साक्षरता		पुरुष साक्षरता		महिला साक्षरता	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. दुर्ग-79.06%	बीजापुर - 40%	1. दुर्ग-87%	बीजापुर - 50%	1. धमतरी-79%	बीजापुर - 31%
2. धमतरी-78.36%	दंतवाड़ा - 42%	2. धमतरी-87%	दंतवाड़ा - 51%	2. दुर्ग-70%	दंतवाड़ा - 32%
3. राजनांदगांव-75.96%	नारायणपुर- 48%	3. राजनांदगांव-85%	नारायणपुर-57%	3. राजनांदगांव-66%	नारायणपुर- 33%

- छ.ग. राज्य में सबसे कम शिक्षित जिला बीजापुर है।
- साक्षरता जिलों का क्रम - दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव।

[CG Vyapam (AVFO) 2013]
[CG PSC (Pre.) 2015], [CG PSC (ARIO) 2015]

27 जिलों के आधार पर साक्षरता

साक्षरता		पुरुष साक्षरता		महिला साक्षरता	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. दुर्ग -82%	सुकमा - 34%	1. दुर्ग -89%	सुकमा - 44%	1. दुर्ग -75%	सुकमा - 25%
2. रायपुर-80%	बीजापुर- 40%	2. बालोद-89%	बीजापुर- 50%	2. रायपुर-72%	बीजापुर- 21%
3. बालोद-80%	नारायणपुर- 48%	3. रायपुर-87%	नारायणपुर-57%	3. बालोद-71%	दंतवाड़ा - 38%

8. (0 - 6 वर्ष लिंगानुपात)

18 जिलों के अनुसार		27 जिला के अनुसार	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. दत्तेवाड़ा - 1005	विलासपुर - 961	1. दत्तेवाड़ा - 1012	जांजगीर-चांपा - 950
2. बस्तर - 994	जांजगीर-चांपा - 950	2. कोण्डागांव - 1006	दुर्ग - 948
3. नारायणपुर - 989	रायगढ़ - 947	3. सुकमा - 997	रायगढ़ - 947

9. जनजाति जनसंख्या वितरण (Distribution of Schedule Tribe)

18 जिलों के आधार पर

जनसंख्या		जनसंख्या प्रतिशत	
सर्वाधिक (लाख)	न्यूनतम (लाख)	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. सरगुजा - 13	नारायणपुर - 1	1. बीजापुर - 80%	जांजगीर-चांपा - 11%
2. बस्तर - 09	कवीरधाम - 1.5	2. नारायणपुर - 77%	रायपुर - 11.7%
3. जशपुर - 05	जांजगीर चांपा - 1.80	3. दत्तेवाड़ा - 76%	दुर्ग - 11.8%
4. रायगढ़ - 05		4. बस्तर - 65%	विलासपुर - 18%

27 जिलों के आधार पर

जनसंख्या		जनसंख्या प्रतिशत	
सर्वाधिक (लाख)	न्यूनतम (लाख)	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. जशपुर - 5	बेमेतरा - 37 हजार	1. सुकमा - 83%	रायपुर - 4.3%
2. बस्तर - 5	मुंगेली - 72 हजार	2. बीजापुर - 80%	बेमेतरा - 4.6%
3. रायगढ़ - 05	रायपुर - 93 हजार	3. नारायणपुर - 77%	दुर्ग - 5.8%
4. कोरवा - 4.90	दुर्ग - 1 लाख	4. दत्तेवाड़ा - 73%	मुंगेली - 10%
5. सरगुजा - 4.82	नारायणपुर - 1.8 लाख	5. कोण्डागांव - 73%	

10. अनुसूचित जाति (SC) - (Distribution of Schedule Castes)

♦ वर्तमान 2011 की जनगणना के आधार पर अनुसूचित जाति

- प्रतिशत - 12.82%
- जनसंख्या - 32,74,269

[CG Vyapam (FCPR) 2016]

♦ 18 जिलों के आधार पर

- सर्वाधिक जनसंख्या - जांजगीर-चांपा
- न्यूनतम जनसंख्या - नारायणपुर

[CG PSC (ACF) 2016]

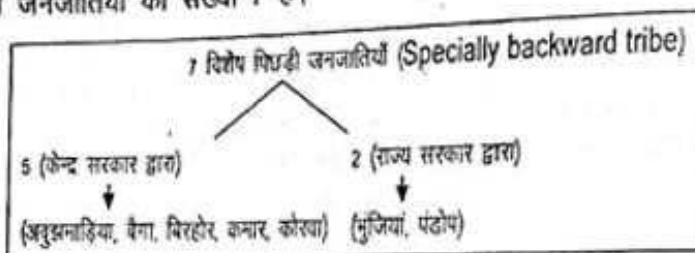
♦ 27 जिलों के आधार पर

- सर्वाधिक जनसंख्या - जांजगीर-चांपा
- न्यूनतम जनसंख्या - सुकमा
- सर्वाधिक प्रतिशत - मुंगेली (27%)
- न्यूनतम प्रतिशत - सुकमा (1%)

जनजातियाँ

जनजातियों का सामान्य परिचय

- ♦ जनजातियों का नाम मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 के तहत मिला।
- ♦ छ.ग. में 42 प्रकार की जनजातियाँ पायी जाती है। एवं 161 उपसमुहों में विभाजित है। [CG PSC (Asst. Dir. Handloom)]
- ♦ जनजाति संबंधित भारतीय संविधान प्रावधान अनुच्छेद 342 में है।
- ♦ छ.ग. के अधिकांश जनजाति प्रोटो - प्रोटो आस्ट्रेलॉइड प्रकार है।
- ♦ बस्तर को जनजातियों की भूमि कहा जाता है।
- ♦ छ.ग. में विशेष पिछड़ी जनजातियों की संख्या 7 है। [CG PSC (L.B.)]

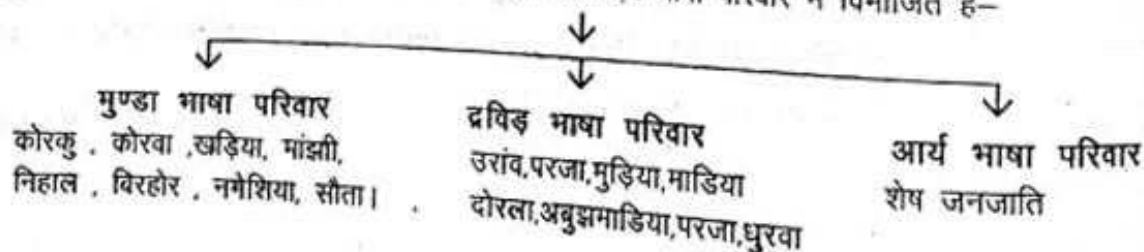


- ♦ भारतीय संविधान के तहत राष्ट्रपति छ.ग. की 5 जनजाति को विशेष पिछड़ी जनजाति के अन्तर्गत शामिल किया गया है। [CG PSC (CMO Paper-2) -2010], [CG PSC (A.P.)]

1. अबुझमाड़िया
2. बैगा
3. बिरहोर
4. कमार
5. कोरवा (पहाड़ी कोरवा, दिहाड़ी कोरवा)

1. जनजातियों का भाषायी वर्गीकरण -

- ♦ छ.ग. में मूलरूप से राज्य में आदिवासी तीन भाषा परिवार में विभाजित है-



विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास हेतु गठित अधिकरण

1. बैगा विकास अभिकरण - ककधा
2. बैगा एवं पहाड़ी कोरवा अभिकरण - बिलासपुर
3. पहाड़ी कोरवा विकास अभिकरण - जशपुर एवं अंबिकापुर
4. कमार विकास अभिकरण - गरियाबंद
5. अबुझमाड़ विकास अभिकरण - नारायणपुर
6. पण्डोप विकास अभिकरण - सूरजपुर (2002-03)
7. भुजिया विकास अभिकरण - गरियाबंद (2002-03)

2. जिलावार विवरण -

List of Scheduld Tribes of Chhattisgarh
source -www.cgstcommission.com

1. Agariya
2. Andha
3. Baiga
4. Bhaina
5. Bharia, Bhumia, Bhuihar, Bhumia Bhumia Bhariya, Paliha, Pando
6. Bhatra
7. Bhil, Bhilala, Barela, Patelia
8. Bhil, Mina.
9. Bhunjia
10. Biar
11. Binjhar
12. Birhul, Birhor
13. Damor, Damaria
14. Dhanwar
15. Gadaba, Gadba
16. Gond, Arakha, Arrakh, Agaria, Asur, Badi Maria, Bada Maria, Bhatola Bhimma, Bhuta, Koilabhuta, Koliabuti, Bhar, Bisonhorn Maria, Chota Maria, Dandami Maria, Dhuru, Dhurwa, Dhoba, Dhulia, Dorla, Gaiki, Gatta, Gatti, Gaita, Gond Gowari, Hil Maria, Kandra, Kalanga, Khalola, Koitar, Koya, Khirwar, Khirwara, Kucha, Maria, Kucha Maria, Kuchaki Maria, Madia, Maria, Mana, Mannewar, Moghya, Mogia, Monghya, Mudia, Muria, Nagarchi, Nagwanshi, Ojha, Raj Gond, Sonjhari, Jhareka, Thattia, Thotya, Wade Maria, Vade Maria, Daroi
17. Halba, Halbi,
18. Kamar
19. Karku
20. Kavar, Kanwar Kaur, Cherwa, Rathia, Tanwar, Chattri
21. Khairwar, Kondar
22. Kharia
23. Kondh, Khond, Kandh
24. Kol
25. Kolam
26. Korku, Bopchi, Mouasi, Nihal, Nahul, Bondhi, Bondeya
27. Korwa, Kodaku
28. Majhi
29. Majhwar
30. Mawasi
31. Munda
32. Nagesia, Nagasia
33. Oraon, Dhanka, Dhangad
34. Pao
35. Pardhan, Pathari, Saroti
36. Pardhi, Bahelia, Bahellia, Chita, Pardhi, Langoli, Pardhi, Phanse Pardhi, Shikari, Takankar, Takia,

- (i) Bastar, Dantewara, Kanker, Raigarh, Jashpur Nagar, Sarguja, and Korba District,
- (ii) Katghora, Pali, kartala and Korba tahsil of Korba District
- (iii) Bilaspur, Pendra, Kota and Takhatpur tahsil of Bialaspur District
- (iv) Durg, Patan, Gundardehi, Dhamdha, Balod, Gurur, and Dondilohara tahsil of Durg District
- (v) Chowki, Manpur and Mohla, revenue inspector circles of Rajnandgoan District
- (vi) ahasamund, Saraipali, and Basana tahsil of Mahasamund District
- (vii) Bindra Navagarh, Rajim and Deobhog tahsil of Raipur District and
- (viii) Dhamtari, Kurud, and Sihava tahsil of Dhamtari District.

37. Parja
38. Sahariya, Saharia, Seharla, Sehria, Sosia, Sor
39. Saonta, Saunta
40. Saur
41. Sawar, Sawara
42. Sonr

3. नवनीतम् सम्मलित जनजाति -

♦ निम्न जनजातियों को सूची में शामिल किया गया -

- | | | |
|------------|------------|-----------|
| (1) भूईया | (2) भूईयान | (3) भूयान |
| (4) धुनहार | (5) धनुवार | (6) किसान |
| (7) सौरा | (8) सांवरा | (9) धनगड़ |

141



1. सबसे बड़े जनजाति समूह - गोंड
2. सबसे पिछड़ी जनजाति - अचुट्टमाड़िया
3. सबसे साक्षर जनजाति - उराँव
4. सांख्यिक रूप से समूह जनजाति - मंडिया
5. आर्थिक दृष्टि से विकसित - हल्बा
6. सामाजिक दृष्टि से उच्च जनजाति - भतर

વિશેષ પિછડી જનજાતિયાँ

- 1) अवुझमाढिया
- 2) देगा
- 3) बिरहोर
- 4) कोरवा
- 5) कुमार
- 6) पण्डों
- 7) भुंजिया

1. गोंड (1)
- ♦ गोंड
 - ♦ राज्य
 - ♦ गोंड
 - ♦ गोंड
 - ♦ गोंड
 - ♦ घर
 - ♦ गोंड
 - ♦ गोंड
 - ♦ गोंड
 - ♦ मेघना

2. अबुझमालि

- ◆ अबुझमा
- ◆ अबुझमा
- ◆ कृषि प
- ◆ अबुझमा
- ◆ अबुझमा

3. बैगा (Baiga)

६. विरहोर (Bi
 विरहोर ज
 विरहोर ज
 विरहोर का

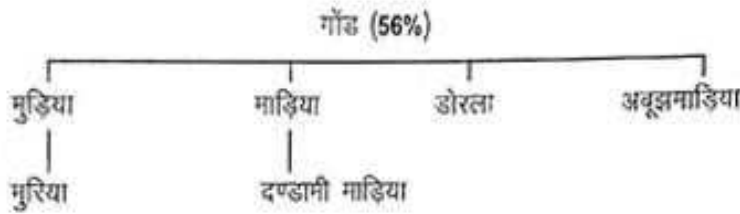
राज्य की प्रमुख जनजातियाँ

1. गोंड (Gond)

- ♦ गोंड जनजाति छ.ग. की सबसे बड़ी जनजाति है।
- ♦ राज्य के कुल जनजाति का 56 प्रतिशत गोंड है।
- ♦ गोंड स्वयं को कोयतोर कहते हैं। जिसका अर्थ होता है पर्वतवासी।
- ♦ गोंड जनजाति मुख्य रूप से बस्तर संभाग में निवास करती है।
- ♦ गोंड का मुख्य सम्पर्क भाषा / बोली - गोंडी है।
- ♦ घर के दीवारों पर 'नोहडेरा' अलंकरण करते हैं।
- ♦ गोंड में मृतक संस्कार के समय, तीसरे दिन 'कोज्जी', दसवें दिन 'कुण्डा' मिलन संस्कार होता है।
- ♦ गोंड जनजाति की छ.ग. में सर्वाधिक (41) उपजाति पाई जाती है।
- ♦ गोंड जनजाति की प्रमुख देवता दुल्हादेव है। साथ ही बड़ा देव, नागदेव, नारायण देव आदि को मानते हैं।
- ♦ मेघनाद पर्व गोंड जनजाति से संबंधित है।

[CG PSC (Pre)2008]

[CG PSC (Pre)2016]



2. अबूझमाड़िया (Abujhmadiya)

- ♦ अबूझमाड़िया मुख्य रूप से नारायणपुर एवं बीजापुर जिले में निवास करते हैं।
- ♦ अबूझमाड़िया गोंड जनजाति की उपजाति है।
- ♦ कृषि पद्धति - पेददा।
- ♦ अबूझमाड़ का अर्थ - 'अज्ञात'।
- ♦ अबूझमाड़िया को मेटाभूम के नाम से जानते हैं।

[CG Vyapam (Patwari)-2016]

3. बैगा (Baiga)

- ♦ बैगा जनजातियों का निवास मैकल पर्वत श्रेणी कर्दघा, राजनांदगांव, मुंगेली, बिलासपुर जिले में हैं।
- ♦ बैगा जनजाति गोंडों के पुजारी (पुरोहित) के रूप में कार्य करते हैं।
- ♦ सर्वाधिक गोदना प्रिय जनजाति - बैगा
- ♦ बैगा को सुवह का भोजन - बासी, दोपहर का भोजन - पेज एवं रात्रि का भोजन बियारी कहलाती है।
- ♦ महिलाओं का वस्त्र - कपची
- ♦ प्रमुख पेय पदार्थ - ताड़ी
- ♦ बैगा का प्रमुख देवता बूढ़ादेव है, जोकि सालवृक्ष में निवास करते हैं। भूमि की रक्षा के लिए ठाकुर देव जबकि बीमारियों से रक्षा के लिए दुल्हादेव की पूजा करते हैं।
- ♦ इनका प्रमुख नृत्य 'करमा' है, किन्तु साथ ही साथ विलमा, सैला, परधौनी, एवं फाग गीत भी प्रचलित था।

4. बिरहोर (Birhor)

- ♦ बिरहोर जनजाति का निवास मुख्यतः रायगढ़, जशपुर, जिले में है।
- ♦ बिरहोर जनजाति पर 'द बिरहोर' एस.सी.राय की रचना है।
- ♦ बिरहोर का समान्य अर्थ वनचर होता है।

5. कमार (Kamar)

- ◆ कमार जनजातियों का निवास गरियाबंद जिले में बिन्दानवागढ़, देवभोग, तहसीलों में एवं आंशिक रूप से धमतरी जिले में पायी जाती है।
- ◆ कमार मुख्य रूप से गरियाबंद जिले में निवास करती है।
- ◆ प्रमुख कार्य - बांस शिल्प
- ◆ सर्वाधिक गोदना गोदवाने वाले जनजाति - कमार
- ◆ कमार जनजाति की पंचायत प्रधान कुरहा कहलाता है।
- ◆ घोड़ा घुना निषेध।
- ◆ घर में मृत्यु होने पर घर का त्याग कर देते हैं।
- ◆ कमार जनजाति के दो उपवर्ग हैं - (1) बुधरजियाये (2) मकाड़िया
- ◆ बुधरजिया बंदर मांस नहीं खाते हैं। जबकी मकाड़िया बंदर मांस खाते हैं।

[CG Vyapam (ASO & BLI)-2013]

[CG PSC (ADVS)-2013]

6. कोरवा (Korva)

- ◆ कोरवा जनजाति का निवास स्थान जशपुर, सरगुजा, सुरजपुर, बलरामपुर, रायगढ़, कोरिया जिलों में है।
- ◆ इनकी दो प्रजातियां हैं- 1. पहाड़ी कोरवा 2. दिहाड़ी कोरवा
- ◆ कोरवा जनजाति पेंड़ों के ऊपर में मचान बनाकर रहते हैं।
- ◆ मृत संस्कार को 'नवाघावी' कहते हैं।
- ◆ क्रियाकर्म के समय 'कुमारी भात' की परम्परा।
- ◆ विवाह के समय 'दमनघ' नृत्य करते हैं।
- ◆ इनकी पंचायत को मयारी कहते हैं।
- ◆ शरीर पर आग से दाग कर निशान बनाते हैं, जिसे 'दरहा' कहते हैं।
- ◆ मुख्य पेय पदार्थ - हडिया है।
- ◆ ये लोग महोदेव, खुड़िया रानी, सिंगीर देव की पूजा करते हैं।

7. भुंजिया (Bhunjiya)

- ◆ राज्य सरकार द्वारा भुंजिया जनजाति के विकास के लिए 'भुंजिया विकास' अधिकरण संचालित किया जा रहा है।
- ◆ भुंजिया जनजाति के लोग रोग का इलाज तपते लोहों से दाग कर करते हैं।

[CG PSC (Pre)2013]

8. पण्डो (Pando)

- ◆ यह जनजाति अम्बिकापुर क्षेत्र में निवास करती है।
- ◆ राज्य सरकार द्वारा पण्डो जनजाति के लिए पण्डो विकास अधिकरण संचालित है।

9. हल्बा (Halba)

- ◆ हल्बा जनजाति मुख्य रूप से बस्तर, कोंडागांव, कांकेर, बालोद क्षेत्र में निवास करती है।
- ◆ हल्बा जनजाति का मुख्य व्यवसाय कृषि काय है। (हल वाहक होने के कारण हल्बा नाम पड़ा।)
- ◆ आर्थिक रूप से सबसे समृद्ध जनजाति हल्बा है।
- ◆ हल्बा जनजाति के अधिकांश लोग मांस, मदिरा का त्याग कर कबीर पंथी धर्म को अपना रही है।
- ◆ इनकी बोली हल्बी है। इसकी जनजाति - बस्तरिया, छत्तीसगढ़िया तथा मरेडिया है।

10. उरौंव (Uraon)

- ♦ उरौंव जनजाति मुख्य रूप से सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर, रायगढ़ क्षेत्र में निवास करती है।
- ♦ उरौंव जनजाति की युवागृह धुमकुरिया है। जिसके मुख्या को धौंगरमहतो कहते हैं।
- ♦ सर्वाधिक शिक्षित जनजाति उरौंव जनजाति है।
- ♦ सरगुजा क्षेत्र में निवासरत प्रमुख जनजाति है।
- ♦ सर्वाधिक धर्मांतरण उरौंव जनजाति का हुआ है।
- ♦ उरौंव जनजाति की मुख्य देवता सरना देवी है।
- ♦ उरौंव जनजाति द्वारा साल वृक्ष में फुल लगने के उपलक्ष्य में सरहुल नृत्य करते हैं।
- ♦ उरौंव जनजाति की प्रमुख बोली कुरुख है।
- ♦ यह जनजाति सरहुल नृत्य के साथ ही साथ, कर्मा नृत्य भी करते हैं।
- ♦ बिरन गीत कर्मा गीत का ही हिस्सा है।
- ♦ गांव के प्रमुख मांझी कहलाती है।
- ♦ प्रमुख पर्व - खट्टी, सरहुल एवं फाग हैं। एवं पारंपरिक पोशाक - करेया है।

[CG PSC (Mains) 2011]

[CG PSC (PRE) 2016]

[CG Vyapam (LOI) 2015]

[CG PSC (Librarian) 2014]

[CG PSC (SEE) 2016]

11. बिंझवार (Binjhar)

- ♦ बिंझवार जनजाति रायपुर, बलौदाबाजार, सोनाखान क्षेत्र में निवास करती है।
- ♦ विन्ध्य पर्वत के मूलनिवासी होने के कारण बिंझवार बोलते हैं।
- ♦ इनकी मुख्य भाषा छत्तीसगढ़ी है। साथ ही ये लोग शबरी बोली का प्रयोग करते हैं।
- ♦ बिंझवार जनजाति की जाति चिह्न तीर है।
- ♦ बिंझवार जनजाति में तीर विवाह प्रचलित है।
- ♦ प्रमुख देवता - 12 भाई बेटकर की पूजा करते हैं।
- ♦ सोनाखान (बलौदाबाजार) के वीरपुत्र, शहीद वीरनारायण सिंह इसी जनजाति से संबंध थे।
- ♦ इनके महासभा को 'कोटा सागर' कहते हैं।
- ♦ ये विन्ध्यवासिनी देवी का पूजा करते हैं।

[CG PSC (ENGGA.P) 2016]

[CG Vyapam (ASST. Auditor) -2016]

12. पारधी (Pardhi)

- ♦ यह जनजाति अपना जीविकोपार्जन आखेट द्वारा करती है।
- ♦ पारधी जनजाति काले पक्षियों का शिकार करते हैं।
- ♦ मुख्य तौर पर सरगुजा, रायगढ़ और कोरबा क्षेत्र में निवासरत है।
- ♦ पारधी एक सराणी शब्द है जिसका अर्थ - आखेट होता है।
- ♦ यह जनजाति केवल काले पक्षी का आखेट / शिकार करता है।

13. कोरकु (Korku)

- ♦ कोरकु जनजाति कोरिया, सरगुजा, सुरजपुर, बलरामपुर में निवास करती है।
- ♦ कोरकु का शाब्दिक अर्थ "जमीन खोदने वाला" है।
- ♦ इनका प्रमुख नृत्य थापटी है।
- ♦ कोरकु जनजाति द्वारा आषाढ़ माह में "दांडल नृत्य" करते हैं।
- ♦ वर्तमान में कोरकुओं का जातीय संस्तर "पोथड़िया" कहलाता है।
- ♦ मृतक संस्कार में सिडोली प्रथा प्रचलित है। जिसमें मृतको को दफनाया जाता है। और लकड़ी का स्तम्भ गाड़ते हैं।

144

14. सौरा (Saura)

- ♦ सौरा जनजाति रायगढ़, महासमुन्द क्षेत्र में निवास करती है।
- ♦ सौरा जनजाति अपने आप को शबरी की पूर्वज मानते हैं।
- ♦ यह सांप पकड़ने का काम करते हैं।

15. भतरा (Bhatra)

- ♦ भतरा का अर्थ है सेवक।
- ♦ भतरा जनजाति द्वारा शिकर देवी की पूजा करते हैं। जिसे मातीदेव के नाम भी जाना जाता है।
- ♦ यह जनजाति उड़िसा के बोली भतरी का प्रयोग करते हैं।
- ♦ ये जानते हैं कि चौदहवीं शताब्दी में काकतीय वंश के संस्थापक राजा अन्नमदेव के साथ बारंगल से बस्तर आये थे।

16. भैना जनजाति

- ♦ यह बैगा व कंवर मिश्रित प्रजाति है।
- ♦ मुख्यतः बिलासपुर क्षेत्र में पाये जाते हैं।

17. माडिया जनजाति

- ♦ इन्हें बाइसनहार्न या दंदारी माडिया कहते हैं।
- ♦ यह जनजाति मुख्यतः बस्तर क्षेत्र में निवास करते हैं।
- ♦ जात्रा पर्व के दौरान यह जनजाति भैस के सिर को टोपी बनाकर नृत्य करते हैं। जिसे बाइसनहार्न नृत्य या गौर नृत्य भी कहते हैं।
- ♦ माडिया के उपशाखा दण्डामी माडिया द्वारा भी यह नृत्य किया जाता है।
- ♦ इस प्रजाति के लोग जंगल में एक पृथक झोपड़ी बनाकर रहते हैं। जिसे सिहारी कहा जाता है।
- ♦ माडिया जनजाति द्वारा मुख्य तौर पर पेददा खेती की जाती है।
- ♦ इनका पेय पदार्थ — सल्फी है।
- ♦ माडिया की उपजाति अबूझमाडिया है जोकि शासन द्वारा घोषित पिछड़ी जनजाति है।

18. मुडिया जनजाति / मुरिया

- ♦ मुडिया गोडो की एक उपजाति है यह "गुड" शब्द से विकसित हुआ है। जिसका अर्थ पलाश वृक्ष है। किन्तु शाब्दिक दृष्टि से मुरिया का अर्थ — आदिन होता है।
- ♦ इनका मुख्य संकेन्द्रण कोण्डागांव एवं नारायणपुर क्षेत्र है।
- ♦ ये लोग ठाकुर देव व महादेव का पूजा करते हैं।
- ♦ इनका युवागृह घोटूल है। जिसका विशेष सामाजिक महत्व है।
- ♦ मुडिया स्थायी कृषि करते हैं।
- ♦ यह जनजाति सांस्कृतिक रूप से एक समृद्ध शाली जनजाति है।
- ♦ मुरिया जनजाति में "पूस कोलांग" (पूस कलंगा) नृत्य करता है।

19. कोया/दोरला/कोयतूर

- ♦ यह मुख्य बस्तर, सुकमा अंचल में निवासरत है।
- ♦ यह गोड की एक उपजाति है।
- ♦ यह गोदावरी अंचल में निवास करती है।

20. पन्डो

- ♦ यह मुख्यतः सरगुजा अंचल में निवासरत है।

[CGPSC (PRE) 2019]

भारिया

21. यह मुख्यतः विलासपुर, कोरबा एवं जांजगीर-घांपा जिले में निवास करते हैं।
 ♦ इनकी मूल बोली भरनोटी या भारियाटी है।
 ♦ इनके निवास स्थान 'ढाना' कहलाता है।
 ♦ यह जनजाति साँप और मोर के मांस खाने में विशेष रूचीकर होते हैं।
 ♦ भारिया दहिया खेती करते हैं। (कमार दाहिया खेती करते हैं।)
 ♦ इस जनजाति का कुल देवता बूढ़ादेव, दुल्हादेव और नागदेव है। तथा सात स्थानीय देवियों का आराधना करते हैं।
 ♦ ये बाघेश्वर देवता का पूजा करते हैं, मान्यता है कि यह देवता बाघ से इनका रक्षा करता है।
 ♦ भीमसेन विवाह का देवता का पूजा करते हैं।
 ♦ ग्राम सीमा पर मुठवा नाचाका घबुतरा होता है।

परधान

22. यह जनजाति मुख्यतः बलौदाबाजार, रायपुर एवं विलासपुर क्षेत्र में निवास करते हैं।
 ♦ ऐतिहासिक विवरण के अनुसार ये जाति गोड़ राजाओं के मंत्री हुआ करते थे। जिन्हें "पटरिया" भी कहा जाता है।
 ♦ ये गोड़ राजाओं के गीत गायक भी थे जिसे कारण गाथावाचक के रूप में माना जाता है।

सौंता

23. इनका मुख्य संकेन्द्रण कोरबा जिला के कटघोरा तहसील क्षेत्र में
 ♦ ये लोग बालक लोढ़ा को अपना पूर्वज मानते हैं।
 ♦ यह छ.ग. की विलुप्त होती जनजाति है।

कंध

24. यह जनजाति रायगढ़ क्षेत्र में अत्यधिक सीमित है।
 ♦ यह जनजाति खोंड या कोण्ड नाम से जाना जाता है।

कंवर

25. सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, विलासपुर और रायगढ़ क्षेत्र में पाये जाते हैं।
 ♦ यह जनजाति समुदाय अपने आपको कौरवों का वंशज मानता है।
 ♦ यह जनजाति सदरी एवं छत्तीसगढ़ी बोलती है।
 ♦ इस जनजाति के प्रमुख देवता 'सगराखंड' को माना जाता है।
 ♦ इस जनजाति मुख्य कार्य सैन्य कार्य करती थी।
 ♦ इनके टोटम समूहों को "गोटी" कहते हैं।

धनवार

26. यह जनजाति विलासपुर जिला क्षेत्र में पहाड़ियों में निवास करती है।
 ♦ इस जनजाति के लिए धनुष का विशेष महत्व होता है, जिनका उपयोग ये विवाह के समय भी वर धनुष लेकर आता है।

नगेशिया

27. ये रायगढ़ और सरगुजा जिलों में निवास करते हैं।
 ♦ ये स्वयं को किसान कहते हैं तथा सदरी बोली बोलते हैं।

28. मंझवार

- ♦ ये मांझी या "माझिया" के नाम भी जाने जाते हैं।
- ♦ यह मिश्रित जनजाति है जिसकी उत्पत्ति गोड़, मुड़ा और कंवर जनजाति से हुई है।
- ♦ ये प्रमुख रूप से सरगुजा एवं रायगढ़ क्षेत्र में निवास करती है।

29. खड़िया

- ♦ यह आदि कोलारियन जनजाति है जो कि रायगढ़ व सरगुजा क्षेत्र में निवासरत् है।
- ♦ खड़िया इनकी मातृभाषा है।
- ♦ इनका प्रमुख पर्व पूस-पुन्नी व करमा है।
- ♦ इनके प्रमुख देवता बंदा है।

30. गदबा व गड़वा या गड़ाबा

- ♦ यह जनजाति बस्तर, रायगढ़ और बिलासपुर क्षेत्र में पाया जाता है।
- ♦ ये स्वयं को 'गुडन' के नाम से पुकारते हैं।
- ♦ इनकी प्रमुख देवी 'बूढ़ी देवी' या 'ठकुरानी' माता है।

31. खैरवार

- ♦ यह जनजाति मुख्यतः सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर बिलासपुर क्षेत्र में पाया जाता है।
- ♦ ये जनजाति खैर वृक्ष से कथा निकालने का कार्य करता है।

[CG PSC (PRE)]

32. परजा

- ♦ इनका संकेन्द्रण मुख्यतः बस्तर, कोण्डागांव, सुकमा व दंतेवाड़ा क्षेत्र में होती हैं।
- ♦ इस जनजाति के लोग 'धुरवा' नाम से जाना जाता है।
- ♦ यह पशु पालक जनजाति है।
- ♦ इस जनजातियों के बच्चों के लिए पृथक घर होती है "धांगाबक्सर" कहते हैं।
- ♦ ग्राम मुखिया को मडूली कहा जाता है। जिसके घर के सामने एक पत्थर का देवता निशान - मुण्डा होता है। जहाँ पर चूँ / चौपाल लगता है।
- ♦ परजा जनजाति में धार्मिक कार्य करने वाला "जानी" जबकि शुद्धिकरण करने वाला "भटनायक" कहलाता है।
- ♦ इनका मुख्य भोजन चावल है।
- ♦ ग्राम वैद्य 'दिसारी' व "गुरमेन" कहलाता है।
- ♦ प्रमुख देवी-देवता - दंतेश्वरी देवी, डुमा, डोंगरा देव, झोर देव आदि।
- ♦ प्रमुख पर्व बड़ा घाना, विधिया, चीत, दस दीपावली एवं जादश आदि है।

क्र.	प्र.
1.	अ
2.	दु
3.	वि
4.	ह
5.	हुं
6.	पै
7.	प
8.	भ
9.	से
10.	ती
11.	अर
12.	गंध
13.	क्रय

जनजाति समाज

- ♦ जनजाति समाज पितृ सत्तात्मक होती है।
- ♦ जनजातियों का समाज संयुक्त समाज होता है।
- ♦ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जनजाति - मुड़िया।

[CG PSC (Pre)-2012]

गोदना गोदने का काय वाला जनजाति	गोदना प्रिय जनजाति	सर्वाधिक गोदवाने जनजाति
कुंजर, गंजारा व देवार [CG PSC (AIB)-2017]	वैगा	कमार

जनजाति गोत्र

- ♦ गोत्र को टोटम कहा जाता है।
- ♦ जनजाति समाज में समगोत्र विवाह वर्जित होता है।
- ♦ जनजाति लोग अपने संतान को बूढ़ा देव और सरना देवी की आशीर्वाद मानते हैं।
- ♦ नामकरण - नदी, पेड़, पौधे, दिन के आधार पर रहता है। जैसे - बुधिया, समार।

जनजातियों का देवी देवता

जनजाति	देवी देवता
♦ कोरवा	खुड़िया रानी
♦ उराँव	सरना देवी
♦ गोंड	दुलहादेव
♦ वैगा	बुड़ादेव
♦ कमार	छोटेमाई-बड़ेमाई
♦ कवर	सगराखण्ड
♦ मुड़िया	अंगादेव
♦ भतरा	शिकार देवी
♦ विझवार	विन्ध्यवासिनी

[CG PSC (Engg Set-2)-2015]

जनजाति विवाह

क्र. प्रकार (Marriage Type)	जनजाति (Tribes)	विशेष
1. अपहरण विवाह/पायसोतुर विवाह	गोंड	युवक द्वारा युवतियों को अपहरण कर विवाह किया जाता है।
2. दुध लौटावा विवाह	गोंड	ममेरे, फुफेरे भाई बहन का विवाह किया जाता है।
3. विनिमय/गुरावट विवाह	समस्त जनजाति	वर वधु का आदान प्रदान कर विवाह होता है।
4. हट विवाह	समस्त जनजाति	लड़की द्वारा जबरदस्ती लड़के के घर जाकर विवाह करना।
5. दुंकु विवाह	कोरवा	हट विवाह
6. पैडुल विवाह	समस्त जनजाति	लड़का लड़की के घर बारात लेकर जाता है।
7. पठोनी विवाह	गोंड जनजाति	लड़की बारात लेकर लड़का के घर जाती है।
8. भगेली विवाह	गोंड जनजाति	लड़की लड़के के घर जबरदस्ती रहती है।
9. सेवा/घरधिया/लमसेना विवाह	गोंड जनजाति	वर द्वारा वधु मुल्य चुकाने हेतु अपने लमसेना में सेवा देना।
10. तीर विवाह	विझवार	लड़की का तीर के साथ विवाह किया जाता है।
11. अरउतो विवाह	समस्त जनजाति	विधवा विवाह होता है।
12. गंधर्व विवाह	परजा जनजाति	लड़का द्वारा लड़की से विक्षिप्त अवस्था में विवाह करना।
13. क्रय विवाह/परिगन्धन विवाह	समस्त जनजाति	वर को उपहार स्वरूप समान देकर विवाह करना।

जनजाति का युवा गृह (Tribal Houses for Young Ones)

क्र.	जनजाति	युवा गृह	विशेष	
1.	मुरिया/माड़िया (गोंड)	घोटूल (Ghotul)	पुरुष - चेलिक पुरुष सदस्य प्रमुख सिरदार होता है। महिला - मुटियारिन महिला सदस्य प्रमुख बेलोसा होती है। युवक युवतियों को सांस्कृतिक रूप से परिचित कराना होता है।	[CG PSC (SEE) 2016] [CG PSC (Pre) 2016]
2.	उराँव जनजाति	धुमकुरिया (Dhumkuria)	वर - धांगर वधु - धांगरिन	[CG PSC (AP) 2016]
3.	बिरहोर	गितिओना (Gitiona)		
4.	भारिया	रंगबंग (Rangbang)		
5.	भुईया	घसरवासा (Ghasrvasa)		
6.	परजा	धागाबक्सर		

जनजातियों का कार्य

जनजाति	कार्य
♦ अगरिया	लौह शिल्पकला
♦ बैगा	मेडिसिन मैन ऑफ गोंड
♦ खड़िया	पालकी दोने का कार्य करते हैं
♦ कोरकु	भूमि खोदने का कार्य करते हैं
♦ खैरवार	करथा निकालने का कार्य करते हैं
♦ पारधी	काली रंग के पक्षी का शिकार करते हैं।
♦ कंवर	सैन्य कार्य करते हैं।
♦ भतरा	सेवक का काम करते हैं।
♦ कुमार	बांस शिल्प कला
♦ कोल	कोयला खोदने का कार्य करते हैं
♦ हल्बा	कृषि कार्य करते हैं
♦ कंडरा	बाँस का बर्तन बनाने का कार्य

[CG PSC (SEE) 2016]

[CG PSC (Pre) 2016]

[CG Vyapam (Patwari) 2017]

जनजातियों का पेय पदार्थ

पेय पदार्थ	जनजाति
♦ सल्फी (Salfi)	मुड़िया, माड़िया (ताड़ वृक्ष से निकालते हैं।)
♦ ताड़ी (Tadi)	बैगा (ताड़ वृक्ष और छिन्द से निकालते हैं)
♦ हाड़िया (Handiya)	कोरवा जनजाति
♦ पेज	गोंड
♦ कोसगा	उराँव

[CG PSC (ABEO) -2013]

[CG PSC (Horti.Cit.) -2015]

जनजातियों का नृत्य

क्र.	प्रकार	जनजाति	विशेष
1.	मांदरी नृत्य	मुड़िया/मुरिया	घोटुल के बाहर किया जाता है [CG PSC (Pre.) 2016]
2.	ककसार नृत्य	मुड़िया	घोटुल के देवता लिंगोपेन को खुश करने के लिए यह नृत्य किया जाता है।
3.	एवालतोर नृत्य	मुड़िया	मड़ई महोत्सव के समय अंगादेव के पूजा हेतु नृत्य किया जाता है
4.	हुलकीपाटा	मुड़िया	यह एक सामान्य नृत्य है।
5.	घोटुलपाटा	मुड़िया	मृत्यु के अवसर पर किया जाता है।
6.	मैडी नृत्य/डिटोम नृत्य	मुड़िया	केवल लड़के लोग भाग लेते हैं।
7.	माओपाटा	मुड़िया	शिकार के समय नृत्य करते हैं। [CG PSC (Engg Set-2) 2015], [CG Vyapam (FCPR) 2016]
8.	बावसन हर्न नृत्य/गौर नृत्य	माड़िया	गोंघा पर्व में माड़िया जनजाति द्वारा भैस के सिंग को लगाकर नृत्य किया जाता है। मृतक स्तम्भ स्थापित करते हैं। [CG PSC (SEE) 2016]
9.	पैडुल नृत्य	डोरला जनजाति	वेरियर एल्विन द्वारा इस नृत्य को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ नृत्य कहा गया।
10.	करमा नृत्य	वैगा	विवाह के अवसर पर किया जाता है।
11.	बार नृत्य	कंवर जनजाति	सामान्य अवसर पर किया जाता है।
12.	दमनच नृत्य	कोरवा	मनोरंजन के समय नृत्य किया जाता है।
13.	थापडी नृत्य	कोरकु जनजाति	सबसे भयानक या खतरनाक नृत्य होता है। [CG PSC (Engg Set-2) -2015]
14.	दांडल नृत्य	कोरकु जनजाति	विवाह के अवसर पर किया जाता है।
15.	डंडारी नृत्य	कोरकु जनजाति	वैसाख माह में किया जाता है।
16.	सैला नृत्य/डंडा नृत्य	वैगा/गोंड	होली के अवसर पर किया जाता है। [CG PSC (Pre.) -2015]
17.	बिन्ना नृत्य	वैगा	दिपावली के समय कार्तिक पक्ष से लेकर फाल्गुन पूर्णिमा तक चलता है।
18.	सरहुल नृत्य	उराँव	विजयदशमी के दिन यह नृत्य करते हैं।
19.	परब नृत्य	धुरवा	यह नृत्य साल वृक्ष में फूल लगने पर किया जाता है। [CG PSC (SEE) 2016]
20.	भडम नृत्य	भारिया	सैन्य नृत्य
			सबसे लंबी समय तक चलने वाली नृत्य है।

नोट- गौर सिंग नृत्य दण्डामी माड़िया द्वारा किया जाता है। [CG PSC (SEE) 2016]

जनजाति एवं संबंधित पुस्तक

1. वेरियर एल्विन:-

- द वैगास
- द अगरिया
- द गौर
- द मुड़िया एण्ड देयर घोटुल
- द बिरहोर
- द कमार
- द माड़िया गोंड्स ऑफ बस्तार
- द भील
- द द्राईबल इकोनामी

जनजातियों का त्यौहार

त्यौहार	जनजाति	विषय
मछई मृत्यु	मुड़िया, माड़िया	अंगादेव का पूजा करते हैं।
मैघमास	गोंड	काल्मन माह में मनाया जाता है।
गोंधा पर्व	माड़िया	बस्तर अंचल में आषाढ़ माह में मनाया जाता है।
दिवासी	माड़िया	इस त्यौहार में अपने घरों को भोजन खिलाते हैं।
नाथवाड़ी	गोंड	भादों पूर्णिमा के अवसर पर नया कसल आने पर मनाया जाता है।
माटी त्यौहार	गोंड	पृथ्वी देवी की पूजा की जाती है।
आमा वाई	गोंड	आम फलने के बाद पूजा किया जाता है।

जनजातियों का लोकगीत

1. घोटूल पाटा - मृत्यु के अवसर पर मुड़िया जनजाति द्वारा गाया जाता है।
2. बनकुल/जागर गीत - बस्तर अंचल में हत्वा और भतरा जनजाति द्वारा गाया जाता है।
3. शीलो गीत - गोंड जनजाति (मुड़िया जनजाति)

[CG PSC (ABEO)2014], [CG PSC (Pr)]

जनजातियों की उपजाति

1. उराव - नाहर, कुड़ास, किसान
2. गोंड - अबूझमाड़िया, मुड़िया, माड़िया, कमार, अगरिया
3. कंवर - तंवर, पैकरा, राठिया,
4. वैगा - बिंझवार, घरौतिया, नरौतिया, राई, कोडवन, कुंडी, रैमेना, बादमैना
5. हत्वा - छत्तीसगढ़िया, बस्तरिया, मरेठिया

[CG PSC (Librarian)]

जनजातियों का स्थानांतरित कृषि (Agriculture System of Tribes)

- छ.ग. में जनजातियों द्वारा किये जाने वाले कृषि को स्थानांतरित कृषि कहते हैं। इस प्रकार के कृषि को भारत में भूमि के नाम से जाना जाता है।
- ◆ वैगा - बेवार (Bewar)
- ◆ कमार - दाहिया (Dahiya)
- ◆ अबूझमाड़िया - पेददा (Pedda)
- ◆ कोरवा - देवारी
- ◆ गोंड - धारिया या बेवार
- ◆ भतरा - दाहिया

जनजाति संबंधित विशेष तथ्य

- ◆ अंगादेव का निर्माण काष्ठ से किया जाता है।
- ◆ कोरकु जनजाति में स्त्री पुनर्विवाह को पाटो विवाह कहा जाता है।
- ◆ बस्तर को जनजाति के भूमि के नाम से जाना जाता है।
- ◆ छ.ग. सरकार का जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में स्थित है।

[CG PSC (Engg. Set-2) 2014]
[CG Vyapam (Asst. Audit) 2014]
[CG PSC (Librarian) 2014]
[CG PSC (MD) 2014]

प्रमुख आदिवासी व्यक्तित्व

छ.ग. विशिष्ट अध्ययन (हरिराम पटेल)

1. शहीद वीरनारायण सिंह - सोनाखान के विद्रोह का प्रमुख नेता (विश्वार)
2. गुण्डाधुर - भूमकाल विद्रोह का नेता (1910) (धुरवा)
3. गेंदसिंह - परलकोट विद्रोह का नेतृत्वकर्ता
4. संत गहिरागुरु - संत गहिरागुरु आश्रम जरापुर जिले में है। (कंवर)
- गहिरागुरु सम्मान पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु दिया जाता है।

अनुसूचित जन जाति का संवैधानिक प्रवधान

- अनुच्छेद 15 (4) - जनजातियों का सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से विकास का प्रवधान।
- अनुच्छेद 16 (4) - राज्य को सरकारी, नौकारी में जनजाति लोगों को प्रतिनिधित्व देने हेतु आरक्षण का अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 23 - जनजातियों से दुर्व्यवहार, बेगार, बंधक गजदूरी का निषेध करता है।
- अनुच्छेद 24 - जनजातियों बलातश्रम का निषेध।
- अनुच्छेद 29 - अनुसूचित जनजाति को अपनी भाषा, बोली एवं संस्कृति में सुरक्षित रखने का अधिकार।
- अनुच्छेद 46 - इनकी शैक्षणिक व आर्थिक विकास के विषय में सुरक्षा देता है।
- अनुच्छेद 164(A) - छ.ग., म.प्र., ओडिसा में अनुसूचित क्षेत्रों के राज्यों में जनजाति मंत्री के प्रवधान का उल्लेख करता है।
- अनुच्छेद 244 - जनजाति क्षेत्र में छठवीं अनुसूचित के अंतर्गत स्वशासन की व्यवस्था करता है।
- अनुच्छेद 275 - जनजाति क्षेत्रों के लिए विशेष अनुदान की व्यवस्था।
- अनुच्छेद 330 - अनु. 330 के तहत लोकसभा व अनु. 332 के तहत विधानसभा में जनजाति के आरक्षण का प्रवधान है।
- अनुच्छेद 335 - संघ व राज्य सेवाओं के सरकारी नौकरियों में जनजातियों हेतु पदों के आरक्षण का व्यवस्था।
- अनुच्छेद 338(क) - 89 वां संविधान संशोधन के तहत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन का प्रवधान।
- अनुच्छेद 342 - इस अनु. के तहत संघ व राज्य द्वारा अनुसूचित जनजातियों के सम्वध में राष्ट्रपति का अधिकार।

अनुसूचित जनजाति प्रशासन / प्राधिकरण

अधिकरण	स्थापना	मुख्यालय
1. वस्तर विकास अधिकरण / दक्षिण क्षेत्र विकास अधिकरण	24 मई 2004	जगदलपुर
2. सरगुजा विकास अधिकरण / उत्तरी क्षेत्र विकास अधिकरण	24 मई 2004	अम्बिकापुर
3. पण्डोप विकास अधिकरण	2002 - 2003	अम्बिकापुर
4. भुजिया विकास अधिकरण	2002 - 2003	रायपुर
5. आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	2 सितम्बर 2009	रायपुर
6. बैगा विकास अधिकरण	2 सितम्बर 2009	कर्वधा
7. अबूझमाड विकास अधिकरण	2 सितम्बर 2009	नारायणपुर
8. कमार विकास अधिकरण	2 सितम्बर 2009	गरियाबंद

25

लोककला संस्कृति

छ.ग. में प्रचलित लोक जीवन कला जो कि समाज द्वारा मान्य है लोक संस्कृति कहलाती है। इसके अंतर्गत लोकगीत, लोकनृत्य, नाटक, छत्तीसगढ़ी त्यौहार एवं पर्व, छ.ग. आभूषण एवं व्यंजन है।

लोकगीत

❖ पंडवानी:-

- महाभारत कथा का छत्तीसगढ़ी लोकरूप पण्डवानी है। [CG PSC (Pre)2016]
- पण्डवानी के रचयिता - सबलसिंह चौहान हैं।
- पण्डवानी गीत अन्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। [CG Vyapam (RI)2016]
- मुख्य नायक - भीम
- मुख्य नायिकी - द्रौपदी
- पंडवानी के लिए किसी विशेष अवसर या अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं होती है।
- पंडवानी में एक मुख्य गायक, एक हुंकार भरने वाला रागी तथा वादय पर संगत करने वाले लोग होते हैं।

शैली (दो प्रकार के प्रचलित हैं)

↓
वेदमती शैली - (केवल गायन कार्य होता है)
प्रमुख कलाकार
रितु वर्मा
झाड़ुराम देवांगन
पुनाराम निषाद [CG Vyapam (FI)2017]
रेवाराम साहू

↓
कापालिक शैली - (इसमें गायन एवं नृत्य दोनों होता है)
प्रमुख कलाकार -
तीजन बाई
शांति बाई
उषाबाई आदि

प्रमुख वाद्य यन्त्र:- (1) तम्बुरा, (2) करताल

अन्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याती प्राप्त करने वाले कलाकार - (i) झाड़ुराम देवांगन, (ii) तीजनबाई, (iii) ऋतु वर्मा।

❖ ददरिया:-

- छ.ग. के लोकगीतों का राजा कहते हैं। [CG Vyapam 2014]
- सवाल-जवाब शैली पर आधारित होता है।
- फसल बोते समय युवक-युवतियों द्वारा अपने मन की बात को प्रहंचाते हैं।
- यह श्रृंगार प्रधान होता है।
- ददरिया को प्रेम गीत/प्रणय (Love Song) के रूप में जाना जाता है। [CG PSC (Pre.)2016], [CG Vyapam (AMIN)2017]
- बैगा जनजाति ददरिया गीत के साथ नृत्य भी करते हैं।
- ददरिया की स्वीकृति छत्तीसगढ़ी लोक जीवन और साहित्य में प्रेम काव्य के रूप में हुई है।

कलाकार:- (i) लक्ष्मण मस्तूरिया, (ii) दिलीप षडंगी, (iii) केदार यादव।